सघन खेती के लिए मध्य प्रदेश को फोर्ड फाउन्डेशन द्वारा सहायता

2757. **श्री मं० च० दीक्षित** : क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) फोर्ड फाउन्डेशन द्वारा मध्य प्रदेश की तीसरी पंचवर्षीय योजना के दौरान सघन खेती के लिए कितनी सहायता दी गयी ;

(ख) इस उद्देश्य के लिए चुने गये जिलों के क्या नाम हैं तथा इस कार्यक्रम के क्या परिणाम निकाले ; और

(ग) क्या चौथी पंचवर्षीय योजना के दौरान भी मध्य प्रदेश को ऐसी सहायता दी जायेगी ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अन्नासाहिब शिन्दे) : (क) और (ख). सघन खेती कार्यक्रम के लिए किसी राज्य सरकार को फोर्ड फाउन्डेशन द्वारा कोई सहायता नहीं दी जाती है। भारत सरकार और फोर्ड फाउन्डेशन के बीच एक करार हुआ है जिस के अधीन फाउन्डेशन 7 जिलों को तीन प्रकार की सहायता देती है, अर्थात विशेष औजारों के लिए सहायता जिस में मृदा परीक्षण प्रयोगशालायें भी शामिल हैं, उर्वरकों के आयात के लिए सहायता और तकनीकी विशेषज्ञों के रूप में सहायता। इस सहायता का उपयोग सघन खेती जिला कार्यक्रम के 7 जिलों अर्थात् पश्चिमी गोदावरी (आन्ध्र प्रदेश), थान्जावर (तमिलनाडु), रायपुर (मध्य प्रदेश), लुधियाना (पंजाब) शाहाबाद (बिहार), पाली (राजस्थान) और अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश), के लिये किया गया।

इस कार्यक्रम के परिणामस्वरूप तीसरी योजनाकाल में मध्य प्रदेश के रायपुर जिले में उर्वरक की खपत में 7 गुना वृद्धि हुई, धान की उपज में भी महत्वपूर्ण उन्नति हुई और कृषकों को विभिन्न आदानों सप्लाई में काफी सुधार हुआ।

(ख) फोर्ड फाउन्डेशन के साथ 1967 में करार को नवीकृत किया गया और रायपुर सहित इन जिलों की संख्या कम कर के 5 करने का निर्णय किया गया। सघन कार्यक्रमों के लिये इन्हें नवीन प्रक्रिया जिले माना जायेगा और इनको एक प्रकार की प्रयोगशाला माना जायेगा। सघन कृषि जिला कार्यक्रमों के जिलों में प्राप्त परिणामों और अनुभवों को योजना में प्रायोजित संसाधनों के अन्तर्गत, बाकी जिलों में अपनाने की राज्य सरकारों को छूट है।

सुपर बाजारों तथा सहकारी भण्डारों में घाटा

2758. **श्री हुकम चन्द कछवाय** : क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में इस समय थोक के कितने सहकारी भण्डार तथा सुपर बाजार कार्य कर रहे हैं ;

(ख) वर्ष 1966-67, 1967-68, तथा 1968-69 के दौरान उक्त सहकारी भण्डारों तथा सुपर बाजारों में से कितनों को लाभ हुआ तथा कितनों को घाटा हुआ ; और

(ग) सुपर बाजारों में घाटा होने के प्रमुख कारण क्या है तथा भविष्य में घाटा होने देने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किये जाने का विचार है ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अन्नासाहिब शिन्दे): (क) से (ग). जानकारी एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी ?